सांध्य दैनिक

4PM

कोई भी किसी को आसानी से नुकसान पंहुचा सकता है, लेकिन हर व्यक्ति औरों के साथ अच्छा नहीं कर सकता है।
-प्लेटो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 109 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 23 मई, 2024

आरआर ने तोड़ दिया आरसीबी... 7 | कर्नाटक और मध्य प्रदेश में अपने... 3 | भाजपा जनता के हक को छीनने... 2

एकबार फिर चुनाव आयोग की साख पर उठा सवाल

कांग्रेस समेत विपक्ष ने कार्यप्रणाली पर जताया संदेह

» बोले नेता- मतदान संबंधी आंकड़े आने में क्यों हो रही देरी, प्रोविजनल डेटा व रियल डेटा में अंतर पर घेरा

» भाजपा बोली- हार के डर से गलत आरोप लगा रहा इंडिया गठबंधन

» अग्निवीर योजना को लेकर चुनाव आयोग पर चिदंबरम ने जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छठे चरण के वोट 25 जून को डाले जाएंगे। आज चुनावी प्रचार का अंतिम दिन है। उससे पहले चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और साख पर सवाल उठ गए हैं। कांग्रेस समेत विपक्ष के कई दलों ने उसके मतदान संबंधी आंकड़ों के जारी करने के समय व प्रोविजनल डेटा व रियल डेटा में अंतर पर शक जताया है। वहीं यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गया है। जिसकी सुनवाई शुक्रवार को होगी।

वहीं निर्वाचन आयोग द्वारा आचार संहिता के संबंध में कांग्रेस को दिए निर्देश पर भी बवाल मच गया है। विपक्ष ने कहा है आयोग बीजेपी को ज्यादा तव्वजो दे रहा है। जबकि बीजेपी ने कहा कि जैसे ही विपक्ष को लगता है कि वह हार रहा है तो वह चुनाव आयोग व इवीएम पर ठीकरा फोड़ने लगता है। दरअसल चुनाव आयोग ने पांचों चरणों के मतदान संबधी अंतिम आकंड़े कई दिनों बाद जारी किए। विपक्ष का कहना है पहले दिन के आंकड़ों व फाइनल आंकड़ें के बीच 5 से 6 प्रतिशत का अंतर है। उसने कहा कि लगभग डेढ़ करोड़ वोट बढ़ गए हैं।

सिस्टम गरीबों और पिछड़ों के खिलाफ : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि वह जन्म से सिस्टम में रहे हैं। वह सिस्टम को अंदर से जानते हैं, उन्होंने कहा कि मुझसे सिस्टम नहीं छिपा सकते और यह सिस्टम गरीब और पिछड़े लोगों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि ये किसको बढ़ावा देता है। वह बोले कि मैं अच्छी तरह से समझता हूं कि सिस्टम किस प्रकार किसको बढ़ावा दिया जा रहा है और किसको निशाने पर रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम हाऊस में जब दादी पीएम थी, पापा पीएम थे, मनमोहन जी थे तब से मैं जाता हूं। सिस्टम लोअर कास्ट के विरूद्ध है। संविधान में साफ लिखा है कि चिकित्सा, शिक्षा और आर्थिक क्षेत्र से न्यायपालिका में सभी को भागीदारी मिले।

भाजपा का अंत आ रहा

उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस को लगता है कि वह लड़ाई जीत रहे हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि भाजपा का अंत आ रहा है। लोगों से सीधे रूबरू होते हुए हाथ में संविधान की किताब लेकर राहुल गांधी ने कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि ट्रांसफर ऑफ पावर, ट्रांसफर आफ प्रोसेस और इक्वेलिटी का डॉक्यूमेंट है। संविधान के सिद्धांत भी यही कहते हैं। यह संविधान 1950 में लागू नहीं हुआ। संविधान में लिखी बातें हजारों साल पहले महापुरुषों ने भी कही हैं। गुरुनानक, गौतम बुद्ध, आंबेडकर, महात्मा फूले कहते थे कि सभी को समान हक और हिस्सेदारी मिले। आज भी हम हजारों साल पुरानी लड़ाई लड़ रहे हैं।

सरकार की नीतियों को घेरना विपक्ष का काम : चिदंबरम

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने कांग्रेस को अग्निपथ योजना के नाम पर सेना पर सियासत से परहेज करने का निर्देश दिया है। आयोग के इस फैसले पर पार्टी के नेता पी. चिदंबरम ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने उनकी पार्टी को अग्निवीर योजना का राजनीतकरण नहीं करने का निर्देश देकर बहुत गलत किया है। चुनाव आयोग ने जाति, धर्म, समुदाय, संविधान और अग्निवीर योजना को लेकर सियासत करने पर सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को फटकार लगाई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, चुनाव आयोग द्वारा कांग्रेस को अग्निवीर योजना को लेकर राजनीति नहीं करने का निर्देश देना गलत है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, राजनीतिकरण का मतलब क्या है? क्या ईसीआई का मतलब आलोचना है?

छठे चरण का आज थमेगा प्रचार, 25 को है मतदान

» यूपी में राजनाथ-अखिलेश समेत कई दिग्गजों ने की जनसभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छठे चरण के लिए 25 मई को 58 सीटों पर चुनाव होने हैं। आज प्रचार का अंतिम दिन है। सारे सियासी दलों ने चुनावी प्रचार में अपनी ताकत झोंक दी है। वहीं यूपी के पूर्वांचल के तीन जिलों की पांच लोकसभा सीटों पर छठे चरण में भी चुनाव होंगे। इन सीटों पर गुरुवार की शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा।

इन पांच सीटों में भदोही, आजमगढ़, लालगंज, जौनपुर और मछलीशहर की लोकसभा सीट शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री

अखिलेश यादव गुरुवार को जौनपुर के मड़ियाहूं में स्थित रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया। सपा सुप्रीमो रहे मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव गुरुवार को आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में रोड शो किया। पूर्व सीएम मायावती मिर्जापुर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आजमगढ़ के दौरे पर 23 मई को रहेंगे। बसपा प्रमुख मायावती मिर्जापुर में सुबह 10 बजे जनसभा को संबोधित करेंगी।

केजरीवाल के माता-पिता से आज पूछताछ नहीं करेगी दिल्ली पुलिस

» स्वाति मालीवाल से मारपीट मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास में मारपीट व छेड़छाड़ के मामले में दिल्ली पुलिस जांच में जुटी हुई है। दिल्ली पुलिस की टीम आज बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और उनके माता-पिता से पूछताछ करने उनके घर नहीं जाएगी।

इससे पहले आज पूछताछ होने की सूचना होने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता सीएम केजरीवाल के घर पहुंचने लगे। मालूम हो कि

मैं पुलिस का इंतजार कर रहा हूं: केजरीवाल

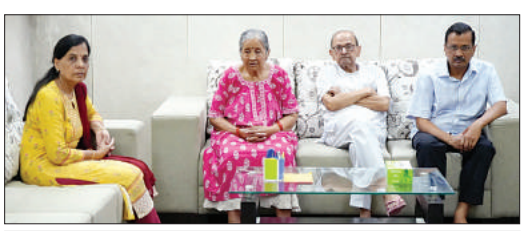

केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, मैं अपने माता-पिता और पत्नी के साथ पुलिस का इंतजार कर रहा हूं। कल पुलिस ने फोन करके मेरे माता-पिता से पूछताछ के लिए टाइम मांगा था। लेकिन वो आएंगे या नहीं इसकी उन्होंने कोई जानकारी अभी नहीं दी। मैं अपने माता-पिता और पत्नी के साथ पुलिस का इंतज़ार कर रहा हूँ। कल पुलिस ने फ़ोन करके मेरे माता-पिता से पूछताछ के लिए टाइम माँगा था। लेकिन वो आएंगे या नहीं - इसकी उन्होंने कोई जानकारी अभी नहीं दी।

स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार पर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस को उम्मीद है कि माता-पिता से पूछताछ में सच्चाई सामने आएगी।

क्या हमारे प्रधानमंत्री इस हद तक गिर गए हैं : आतिशी

दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता अतिशी ने कहा, दिल्ली पुलिस द्वारा बुजुर्ग और बीमार माता-पिता को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की माता की उम्र 76 साल हैं। उनकी(केजरीवाल) की गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले तक वे लंबे समय तक अस्पताल में रहीं। उनके पिता की उम्र 85 साल है। क्या हमारे प्रधानमंत्री इस हद तक गिर गए हैं कि बुर्जुगो पर भी दया नही आ रही।

भाजपा जनता के हक को छीनने वाली पार्टी : अखिलेश

» बोले- ये खरबपतियों की कठपुतली सरकार है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठे चरण के लिए सपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ताबड़तोड़ प्रचार के दौरान मोदी सरकार व बीजेपी पर करारा प्रहार किया है। सपा मुखिया ने कहा कि जो जनता के अधिकार की बात करे उसे भाजपा अपना विरोधी मानती है क्योंकि भाजपा जनता के हक को छीननेवाली पार्टी है। वो खरबपतियों की कठपुतली पार्टी है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि बीएययू को बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ़ 'आमरण अनशन' पर बैठे डॉ. ओम शंकर जी से अनुरोध है कि वो अपना आमरण अनशन तोड़ें और जनता के रक्षक 'इंडिया गठबंधन' का साथ देकर भ्रष्ट भाजपा को हटाने के लिए नया व्रत लें। भाजपा हर सच्चे इंसान के विरुद्ध है। जो जनता के अधिकार की बात करे उसे भाजपा अपना विरोधी मानती है क्योंकि भाजपा जनता के हक को छीननेवाली पार्टी है। जो निजीकरण के खिलाफ है। भाजपा उसे भी अपना दुश्मन समझती है क्योंकि वो उन खरबपतियों की कठपुतली है जो निजीकरण करके बेतहाशा मुनाफा कमाना चाहते हैं। जनता जन-विरोधी भाजपा को इतिहास बना देगी। उन्होंने अपने बयान में एक हैश टैग एक थी भाजपा भी जोड़ा।

'देवरिया कांड बता रहा यूपी की कानून व्यवस्था का हाल'

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने देवरिया की घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतक के परिजन को कम से कम पांच करोड़ रुपए की सहायता दिए जाने की मांग की है। दरअसल देवरिया जिले के बरहज क्षेत्र स्थित सतराव चौकी में तैनात एक दारोगा तथा उसके साथी पुलिसकर्मियों की कथित पिटाई से एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में दारोगा तथा साथी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, भाजपा के राज में पुलिस प्रशासन के अंदर कुछ भ्रष्ट लोगों को ऐसा लगने लगा है कि वो कुछ भी अवैधानिक करेंगे तो उनके भाजपाई आका उनको बचा लेंगे। चुनाव में जनता इस गलतफहमी को दूर कर रही है। सरेआम अत्याचार, लोगों से जानलेवा मारपीट, हिरासत में मौत, झूठे एन्काउंटर, बढ़ती वसूली जैसे मुद्दों ने भाजपा के काल में पुलिस को बेलगाम बना दिया है।

सपा की जनसभा में उमड़ी भीड़, मची भगदड़

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा में बुधवार को एक बार फिर कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। इससे कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। कार्यकर्ताओं ने वहां लगे पर्दों को फाड़ दिया। पुलिस ने लाठी भांजकर खदेड़ना चाहा तो पत्थर भी फेंके। किसी तरह से मामला शांत हुआ। आजमगढ़ लोकसभा सीट प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के पक्ष में प्रचार करने के लिए बुधवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव गोपालपुर और सदर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। सबसे पहले वह गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के बिलरियागंज स्थित बघैला ताल में जनसभा को संबोधित किया।

जेठ धर्मेंद्र यादव के खिलाफ रोड शो करेंगी अपर्णा यादव

सपा सुप्रीमो रहे मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बृहस्पतिवार को आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में रोड शो करेंगी। वह सपा प्रत्याशी और रिश्ते में जेठ लगने वाले धर्मेंद्र यादव के खिलाफ चुनाव प्रचार करने आ रही हैं। रोड शो में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी रहेंगे। फिल्म स्टार सुनील शेट्टी भी आ सकते हैं। यादव वोट बैंक में मजबूत पैठ बनाने के लिए भाजपा और सपा ने जोर लगाया है। सपा का पूरा कुनबा आजमगढ़ में डेरा डाले हुए है। अब भाजपा ने भी दिग्गजों को चुनाव प्रचार में उतार दिया है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपर्णा यादव और मोहन यादव के जरिये यादव मतदाओं को साधने की तैयारी है। यह पहला मौका होगा, जब अपर्णा अपने परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष आजमगढ़ श्रीकृष्ण पाल ने बताया कि बृहस्पतिवार को नरौली से निकलकर रोड शो चौक के रास्ते हाफिजपुर चौराहे पर जाकर समाप्त होगा। सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ के प्रतिनिधि संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि रोड शो में मशहूर सिने तारिका अक्षरा सिंह, मनोज टाइगर के साथ ही बालीवुड के एक्शन स्टार सुनील शेट्टी के भी शामिल होने की उम्मीद है।

मतदान तक किसी तरह के बहकावे में न आएं : मायावती

» बीएसपी ने चुनाव प्रचार में लगाई ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार का अब आखिरी दिन ही बचा है। यूपी सभी बड़ी पार्टियों के नेता प्रचार में लगे हुए हैं। इसी क्रम में बसपा प्रमुख मायावती ने भी रैलियों में जनता को वोटिंग करने के लिए उत्साहित किया। बसपा प्रमुख मायावती जब मोतीगंज बाजार में जनसभा को संबोधित किया उस वक्त कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आ रहा था।

बसपा सुप्रीमो जब भी कोई अहम बात कहती थीं तो तालियों का शोर गूंज उठता था। इसके अलावा अंबेडकरनगर और सुल्तानपुर दोनों जिलों से आए नेताओं के समर्थक अपने नेताओं के नारे भी लगाते नजर आए। बसपा की इस जनसभा में अंबेडकरनगर और सुल्तानपुर दोनों के ही प्रत्याशी और समर्थक शामिल हुए थे। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष से पहले प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने मतदान तक किसी तरह के बहकावे में न आने और बसपा के मजबूत होने का दावा किया। जिला अध्यक्ष सुरेश गौतम, मंडल प्रभारी छोटेलाल मौर्य जफर खान, दयाराम राजभर आदि ने भी जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही जनसभा कर अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह भर गए थे। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बसपा प्रमुख मायावती ने अलग-अलग जनसभाएं कर चुनाव प्रचार को चरम पर पहुंचाया।

अंबेडकरनगर नहीं पहुंची बसपा प्रमुख

करीब तीन दशक की राजनीति में यह पहला मौका है जब बसपा प्रमुख मायावती पार्टी के गढ़ रहे अंबेडकरनगर से अभी दूरी बनाई हुई हैं। चुनाव प्रचार करने भी नहीं पहुंचीं। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दो सभाएं अपेक्षित थीं, लेकिन आचार संहिता के फेर में उनका भी दौरा नहीं हो पाया। प्रचार खत्म होने के अंतिम दिन 23 मई को गृहमंत्री अमित शाह की सभा हो रही है। जिले की राजनीति बसपा के इर्द गिर्द घूमती आई है। वर्ष 1995 में बसपा प्रमुख मायावती ने ही मुख्यमंत्री के तौर पर अंबेडकरनगर नाम से नए जनपद की सौगात दी थी। बसपा उसके बाद लोकसभा और विधानसभा चुनावों में धमाकेदार प्रदर्शन करती रही। मायावती खुद यहां के चुनाव प्रचार की कमान पूरी मजबूती से संभालती रहीं। शुरुआती दौर में तो यहां दो-दो रैली और जनसभा भी होती थी। इस बार भी उम्मीद थी कि वह अंबेडकरनगर में जोरदार प्रचार करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

पार्टी में काफी कुछ बदला

इस चुनाव में बसपा के लिए काफी कुछ बदल गया है। पिछले पांच वर्ष में पार्टी के कई बड़े नेता सपा और भाजपा में जा चुके हैं। यहां टिकट को लेकर खींचतान भी मची रही। प्रचार के नाम पर राष्ट्रीय संयोजक पद से हटाए जाने के पहले मायावती के भतीजे आकाश आनंद ही यहां एक रैली कर सके। पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्र तक का दौरा यहां नहीं लगा।

मैंने मां की तरह सबका रखा ध्यान : मेनका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कादीपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब अपने संबोधन से कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा तो उसके बाद सांसद मेनका गांधी ने भावुक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि मैं मशीन का पुर्जा हूं, आप लोगों ने मुझे जैसा चाहा वैसा ही चलाया। मैं चलती गई, सबका ध्यान एक मां की तरह रखा। जिले के विकास में योगदान दिया।

कभी किसी से जाति-धर्म नहीं पूछा जो भी आया उसका काम किया। जनसभा को विधायक विनोद सिंह, राजेश गौतम, राज प्रसाद उपाध्याय, पूर्व मंत्री जय नरायण तिवारी, सुल्तानपुर चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, कादीपुर चेयरमैन आनंद जयसवाल, पूर्व विधायक राम चंद्र चौधरी, निषाद पार्टी के राजेश निषाद, सुभासपा के अरविंद राजभर, पूर्व जिलाध्यक्ष करुणा शंकर द्विवेदी आदि ने भी संबोधित किया।

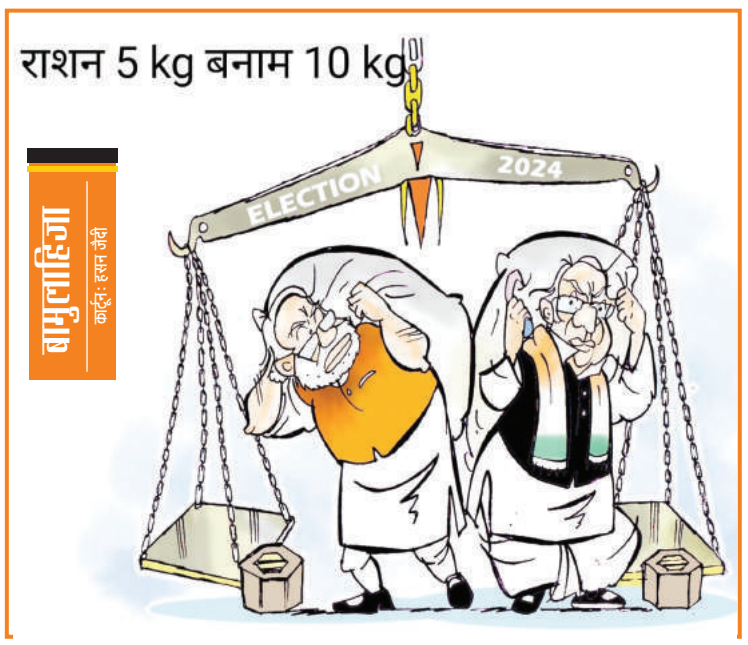

डरे हैं मोदी इसलिए रात में आते हैं बिहार : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी, पीएम नरेंद्र मोदी और चिराग पासवान पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जब भी पटना आते हैं तो रात के अंधेरे में आ रहे हैं। रात के अंधेरे में कई कुछ खास लोगों को बुलाया जा रहा है।

कुछ-कुछ खास निर्देश पीएम मोदी द्वारा दिया जा रहा है। यह लोग डर चुके हैं। आजकल टेलीपॉम्पटर भी पीएम मोदी बोलते हैं तो साफ नजर आता है कि वह थक चुके हैं और ना उम्मीद हो चुके हैं। वहीं चिराग पासवान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग जी को सबसे पहले हार की मुबारकबाद देता हूं। हमलोगों के पास जो सूचना आई है, उसमें वह काफी अच्छे मार्जिन से चुनाव हार रहे हैं। उनके पास कोई मैनेजमेंट नहीं है। एक भी आदमी उनके नहीं दिखे। जमीन पर उनकी पकड़ ही नहीं दिखी। पोलिंग बूथ पर भी उनके लोग नहीं दिखे।

कर्नाटक और मध्य प्रदेश में अपने-अपने दावे

दोनों राज्यों में लोस सीटों के जीतने पर चर्चा शुरू

» कांग्रेस ने कहा- दोनों राज्यों जीतेंगे सभी सीटें

» बीजेपी का दावा- हम क्लीन स्वीप करेंगे

» प्रज्वल मामले में बीजेपी कांग्रेस में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छठे चरण के चुनाव के लिए प्रचार तेजी पर आ गए हैं। अब चूंकि दो ही चरण रह गए है तो अब सीटों पर बहस होने लगी है। जो जिस विचारधार या सियासी दल को पसंद करता है वह उस दल की सरकार बना रहा है। कांग्रेस के समर्थक उसे 300 से ऊपर सीटें दे रहे हैं तो बीजेपी वाले उसे 400 के पार पहुंचा रहे हैं। ये तो बातें सब कयासों से निकल रहे हैं। पर नतीजा क्या होगा 4 जून को पता चल जाएगा। उधर अब भी नेता एकदूसरे की कलई खोलने में लगे हैं। देश के दो महत्वपूण राज्य कर्नाटक व मध्यप्रदेश में सियासी पारा हाई है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार है। वहां नेता के कह रहे है कि इसबार कर्नाटक में 28 में से 28 सीटें इंडिया गठबंधन को मिल रहे हैं। तो बीजेपी कह रही है इसबार उसकी सीटें बरकरार रहेंगी। वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी सत्ता में है, वह कह रही है कि सारी सीटे लेगी। जबकि कांग्रेस अपनी सीटें आने की दावे कर रही है। इसी को लेकर एक दूसरे पर आक्रमण जारी है।

उधर प्रज्वल मामले को लेकर बीजपी व कांग्रेस में वार पलटवार भी हुआ। दोनों पार्टियां इसम मामले में एक दूसरे पर दोषारोपण कर रही है। वहीं कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) उन्हें वापस लाने के लिए विदेश नहीं जायेगा और इंटरपोल उनके बारे में जानकारी साझा करेगा। उन्होंने राजनीतिक नेताओं को मामले के संबंध में सार्वजनिक बयान देने या ऐसी जानकारी साझा करने के प्रति भी आगाह किया, जो संवेदनशील है। प्रज्वल पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का आरोप है। ऐसा कहा जा रहा है कि प्रज्वल रेवन्ना कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को विदेश चले गए थे। परमेश्वर ने कहा कि ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया गया है और इंटरपोल जानकारी साझा करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या जद (एस) नेता एच. डी. कुमारस्वामी को भी नोटिस दिया जाएगा, मंत्री ने कहा कि वह एक पूर्व मुख्यमंत्री हैं और उनका मानना है कि कुमारस्वामी ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा इस मामले पर कोई बयान देने या सार्वजनिक रूप से कोई भी जानकारी साझा करने से पहले सतर्क रहना होगा और यह बात सभी पर लागू होती है।

कांग्रेस का न्याय पत्र जनता का फिक्स डिपॉजिट कई सालों तक मिलेगा रिटर्न : कमलनाथ

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस पार्टी का न्याय पत्र देश की जनता के लिए ऐसा फिक्स डिपॉजिट है, जिसमें जनता अपना वोट जमा कर रही है और आने वाले कई वर्ष तक कई गुना रिटर्न प्राप्त करती रहेगी। उन्होंने लिखा कि आपका एक वोट नौजवानों को 30 लाख सरकारी नौकरियां, स्नातकों को 8500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपंड, गरीब महिलाओं को हर वर्ष एक लाख रुपया, किसानों को एमएसपी की गारंटी और देश के नागरिकों को हर महीने 10 किलो मुफ्त राशन दिला सकता है। पूर्व सीएम ने लिखा कि आपका एक वोट जातिगत जनगणना के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर सकता है। आपका एक वोट संविधान बदलने की साजिश करने वालों को सबक सिखा सकता है। आपका यह वोट सिर्फ कांग्रेस पार्टी या इंडिया गठबंधन के लिए नहीं है, बल्कि आपके वर्तमान और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है। देश की जनता ने इस लोक सभा चुनाव को भविष्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण का चुनाव बना दिया है। जय कांग्रेस। विजय कांग्रेस।

पीएम के पास जानकारी का अभाव : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कथित बयान से ''हैरान'' हैं कि शक्ति योजना के कारण बेंगलुरु मेट्रो को राजस्व का नुकसान हुआ है। कर्नाटक में सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई शक्ति योजना के तहत महिलाएं सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकती हैं। शिवकुमार ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास शक्ति योजना के बारे में जानकारी का अभाव है और इसलिए उन्होंने (मोदी ने) कहा कि इससे बेंगलुरु मेट्रो के राजस्व पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा, ''नम्मा मेट्रो ने पिछले एक साल में 130 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। इसी अवधि में ग्राहकों की संख्या में भी 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बेंगलुरु मेट्रो बेंगलुरु तक ही सीमित है, जबकि समूचे राज्य के लोगों को ध्यान में रखते हुए शक्ति योजना शुरू की गई है।शिवकुमार ने कहा कि महिलाओं पर महंगाई के बोझ को कम करने के लिए कांग्रेस द्वारा शक्ति योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा, मेट्रो, राज्य और केंद्र के बीच एक संयुक्त पहल है और इसने पिछले एक साल में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसा लगता है कि किसी ने प्रधानमंत्री को गलत जानकारी दी है। मैं प्रधानमंत्री को बताना चाहता हूं कि महिलाओं को शक्ति योजना की पेशकश करते हुए कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) और बेंगलुरु मेट्रो को कुशलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। कर्नाटक में महिलाएं प्रति दिन 60 लाख यात्राएं कर रही हैं। वे इस शक्ति योजना से बहुत खुश हैं। कई अन्य राज्य शक्ति योजना में रुचि जाहिर कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक साक्षात्कार में कथित तौर पर बस और मेट्रो रेल सेवाओं पर बात की है और उन्होंने कर्नाटक का विशेष संदर्भ दिया या नहीं, यह ज्ञात नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या उत्तर कर्नाटक में बसों की कमी है, शिवकुमार ने कहा, ''हमने 1,000 नयी बसें खरीदने का पहले ही निर्णय ले लिया है। इनमें से 100 बसें रामानगर जिले को आवंटित की गई हैं। उत्तर कर्नाटक को भी बसें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने कहा, हम केएसआरटीसी से मुनाफा कमाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हम केवल यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उसे घाटा न हो। सरकार शक्ति योजना के तहत टिकट की लागत की प्रतिपूर्ति कर रही है।

अखिलेश और राहुल की जोड़ी बेमेल : मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी बेमेल है, इनका कोई तालमेल नहीं है। समाजवादी पार्टी के स्व. मुलायम सिंह जी ने कांग्रेस पार्टी से हमेशा से नफरत की थी और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामना दी थी। अभी यह अवसर परस्ती की दोस्ती कितनी चलेगी, आप भी देखोगे, हम भी देखेंगे। राहुल गांधी सभाओं में संविधान की किताब दिखा रहे हैं। राहुल गांधी उस संविधान के बजाय दूसरी कोई किताब दिखाकर मूल संविधान और बाबा साहब की आत्मा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वो पहले संविधान को समझ लें, उनकी दादी ने संविधान को अलग करके देश में आपातकाल लगाया था। बाबा साहब अंबेडकर ने 1950 में जो मूल संविधान लागू किया था, उसमें कांग्रेस की 5 पीढ़ियों ने सौ बार से ज्यादा संविधान संशोधन कर दिए। जिन्होंने खुद पाप किए वो दूसरे से कहां सर्टिफिकेट लेंगे। सीएम ने कहा कि अब एक ही परिवार के लोगों को मौका देने का जमाना गया, अब तो गरीब और किसान परिवार से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री बन रहे हैं। बिहार और यूपी में एक ही परिवार वाले इतने चालू हैं कि वे सारे पद अपने ही घर में रख लेते हैं। घमंडिया गठबंधन के लोग कहते हैं कि मांस की दुकान खोलकर बैठ रहे हैं, तो इन्हें समस्या क्या है? पाकिस्तान की जनसंख्या 22 करोड़ है, उससे ज्यादा सदस्य तो हमारी भारतीय जनता पार्टी में है। अब कांग्रेस या आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी आएं तो पूछना कि हमारे धर्म से क्या परेशानी है, भगवान श्रीराम के मंदिर बनने में अड़गे क्यों लगाए।

मध्य प्रदेश में बढ़ा महिलाओं पर अपराध : पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है कि प्रदेश में महिलाओं की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। महिला आयोग में 24,000 केस पेंडिंग हैं। यहां पर न तो अध्यक्ष है न ही एक भी सदस्य। पटवारी ने अपने पत्र में लिखा कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी, माना जा सकता है कि मध्यप्रदेश को देश का क्र इम कैपिटल बनाने पर शोक की अभिव्यक्ति करना हम सब नागरिकों का कर्तव्य है। परंतु आपके द्वारा लगातार की जा रही लापरवाही एवं महिला अपराधों पर आंखें मूंद लेने की प्रवृत्ति गृहमंत्री के तौर पर आपको इस पद के लिए अयोग्य बनाती है। यह आपकी और भाजपा सरकार की अकर्मण्यता का सबसे बड़ा प्रमाण और परिणाम है। चाहे वो आगर मालवा की बलात्कार पीड़िता हो, चाहे इंदौर की साइबर क्राइम पीड़ित युवती, किसी को यदि पुलिस न्याय नहीं दिला पा रही है, तभी तो उन्होंने महिला आयोग का रुख किया। लेकिन, अब वहां भी सुनने वाला कोई नहीं है! क्या यही आपकी महिला न्याय नीति है? आयोग के नियमानुसार किसी भी शिकायत पर 15 दिन के अंदर कार्रवाई करनी होती है, परंतु आपकी सरकार नियम और कानून से परे है। सरकार की व्यक्तिगत रुचि सिर्फ विपक्षी नेताओं पर एफआईआर कर पॉक्सो एक्ट लगाने में है।

कोई दोषी है तो कार्रवाई जरूर होनी चाहिए : देवेगौड़ा

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने अपने पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल में और लोगों के शामिल होने का संकेत देते हुए कहा, सभी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। जनता दल (सेक्युलर) सुप्रीमो ने कहा कि इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मैं उनका नाम नहीं लूंगा। प्रज्वल के खिलाफ आरोपों पर यह देवेगौड़ा की पहली प्रतिक्रिया है, माना जा रहा है कि वह जर्मनी में हैं। अनुभवी नेता ने यह भी कहा कि उनके पोते के खिलाफ कार्रवाई होगी, जिनके पिता, जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना, पूर्व प्रधान मंत्री के दो बेटों में बड़े हैं। देवेगौड़ा ने कहा कि प्रज्वल के खिलाफ कार्रवाई होगी। लेकिन रेवन्ना के संबंध में लोगों ने देखा है कि उनके खिलाफ क्या किया गया है। उन्हें अदालत में जमानत मिल गई और एक और आदेश लंबित है। इस महीने की शुरुआत में, रेवन्ना को कर्नाटक पुलिस ने कथित तौर पर एक महिला का अपहरण करने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो प्रज्वल की पीड़ितों में से एक थी। उन्हें हाल ही में जमानत दी गई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संविधान व देश की आत्मा को ठेस न पहुंचाएं!

इस समय भारत में चुनाव चल रहे हैं। नेता प्रचार में जुटे हैं। इस प्रचंड प्रचार में नेताओं की जुबान भी बार-बार फिसल रही है। जुबान फिसलना या विपक्ष पर प्रहार करना गलत नहीं है पर भाषणों में भारत की विविधता पर उल्टा-सीधा बोलना देश के लिए घातक हैं। भारत की पूरी प्रणाली संविधान के अनुसार चलती है। इसी संविधान ने सभी धर्म, मत, मजहब, संप्रदाय के लोगों को यहां बिना किसी भय के रहने की आजादी दी है। पर कुछ ऐसे नेता जो जिम्मेदार पदों पर हैं उनके द्वारा जब कुछ वोटों के लिए लोगों को बांटा जाता है वह निंदनीय है। नेता चाहे सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष उन्हें इसबात का हमेशा ध्यान देना चाहिए कि वह भाषणों में एकदूसरे के ऊपर चाहे कितना ही कीचड़ उछाले पर देश की गरिमा व उसकी आत्मा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था विविधता लिए हुए है। भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप में यह दिखाई भी पड़ती है।

विभिन्न भाषाई पहचान से लैस भारतीय समाज में कई रूप-रंग है। यहाँ की संस्कृति प्रांतवार विभिन्नता लिए है। इसे समझते हुए स्वतंत्रता आंदोलन संघर्ष उपरांत राष्ट्र निर्माण के लिए संविधान समिति में सहमति/असहमति के विचारों को समुचित प्रतिनिधित्व दिया गया। जिससे भारत की अनेकता में एकता की भावना आकार ले सके। संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान में लोकतान्त्रिक व्यवस्था संचालन हेतु प्रत्येक पांच वर्ष केंद्र और राज्य में चुनाव की व्यवस्था की गई है। संविधान में संघ का नाम भारत अर्थात इंडिया को राज्यों का संघ कहा गया है। इसका ढांचा संघीय है। इसके साथ ही केंद्र और राज्य की व्यवस्था के पृथक्करण हेतु सातवीं अनुसूची में संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची का प्रावधान किया गया है। जिससे केंद्र और राज्य के बीच प्रशासनिक शक्तियों एवं सीमाओं के बीच टकराहट से बचा जा सके। भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में महामहिम राष्ट्रपति को प्रथम व्यक्ति के रूप में स्थान प्राप्त है। जिसका निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। जबकि प्रधानमंत्री संसद के मंत्रिमंडल का नेता होता है जिसका निर्वाचन परंपरागत मतदान प्रणाली से होता है। राज्यों में यह व्यवस्था महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री के रूप में दिखाई देती है। केंद्र और राज्य के चुनाव जहां निर्वाचन आयोग करवाता है वहीं राज्यों में निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव को राज्य निर्वाचन आयोग ही करवाता है। भारत में चुनाव का स्वरूप एकरूप नहीं है। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों की विविधता भारत को एक राष्ट्र के रूप में बांधे रहती है। वहीं चुनावी प्रक्रिया भी देश के लोकतंत्र को मजबूत करती है।

“ भारत की पूरी प्रणाली संविधान के अनुसार चलती है। इसी संविधान ने सभी धर्म, मत, मजहब, संप्रदाय के लोगों को यहां बिना किसी भय के रहने की आजादी है। पर कुछ ऐसे नेता जो जिम्मेदार पदों पर हैं उनके द्वारा जब कुछ वोटों के लिए लोगों को बांटा जाता है वह निंदनीय है। नेता चाहे सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष उन्हें इसबात का हमेशा ध्यान देना चाहिए कि वह भाषणों में एकदूसरे के ऊपर चाहे कितना ही कीचड़ उछाले पर देश की गरिमा व उसकी आत्मा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विशाल होर्डिंग्स : प्रचार बनाम पैगाम मौत के

अली खान

देशभर में अवैध होर्डिंग की समस्या ने लोगों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। दरअसल, मुंबई में गत 13 मई को तेज आंधी आई। जिससे घाटकोपर में 100 फुट ऊंचा और 250 टन वजनी लोहे का होर्डिंग एक पेट्रोल पंप पर जा गिरा। इस दौरान कुछ कारें, टू-व्हीलर्स और पैदल यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 74 लोग घायल हो गए। जांच में सामने आया कि ये होर्डिंग अवैध था और 15 हजार वर्ग फुट से ज्यादा क्षेत्रफल में लगा था। इस होर्डिंग का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज हो चुका था। उल्लेखनीय है कि होर्डिंग लगाने के लिए उस एजेंसी की अनुमति जरूरी होती है जिसकी भूमि पर होर्डिंग लगाना है। मुंबई में कई तरह की जमीनें हैं, जैसे कलेक्टर लैंड, सॉल्ट पैन लैंड, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट लैंड व बीएमसी लैंड आदि। इसलिए अगर कोई किसी जमीन पर होर्डिंग लगा रहा है तो उसे संबंधित लैंड अथॉरिटी से अनुमति लेनी पड़ती है। साथ ही बीएमसी की इजाजत भी जरूरी है।

सवाल है कि इतने बड़े आकार के होर्डिंग लगाने की अनुमति क्यों दी गई? अब जब इतना बड़ा हादसा हो गया है तो किन-किन पर कार्रवाई की जाएगी? भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो यह सुनिश्चित करने को क्या-क्या प्रयास किए जाएंगे? ऐसे प्रश्न आम आदमी के दिमाग में कौंधने स्वाभाविक हैं। देश के कमोबेश सभी शहर अवैध होर्डिंग की समस्या का सामना कर रहे हैं। शहरों की शायद ही ऐसी कोई लोकेशन हो जो होर्डिंग व बैनर से अछूती हो। ये होर्डिंग, जहां ऐतिहासिक धरोहरों व इमारतों के सौंदर्य को ढक रहे हैं, वहीं लोगों की जान पर भी आफत बन रहे हैं। देश के सभी शहरों की सड़कें अवैध होर्डिंग से पटी हुई हैं। कई नगरों में ऐसे होर्डिंग हटाने की कवायद की गई, लेकिन समस्या जस की तस है। अवैध होर्डिंग की समस्या सड़क हादसों की वजह बन रही है। सड़कों पर लगे होर्डिंग के चलते वाहन चालकों को साइड देखने में दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। लापरवाही से कई बार फुटपाथ पर होर्डिंग को रख दिया जाता है जिसके चलते पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में लोग सड़कों पर चलने के लिए मजबूर हो जाते हैं, इस कारण भी कई बार हादसा हो जाता है। देश के उस बहुचर्चित हादसे को कैसे भुला

सकते हैं जिसमें अवैध होर्डिंग ने एक युवती की जान ले ली थी। दरअसल, चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करने वाली सुबाश्री अपने ऑफिस से घर की ओर जा रही थी, उसी दौरान रास्ते में एक राजनीतिक दल का अवैध रूप से लगा होर्डिंग युवती के ऊपर गिर गया था। होर्डिंग के गिरते ही पीछे की ओर तेजी से आ रहे एक टैंकर ने युवती को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी। यह महज एक चर्चित हादसा है, इसके अलावा भी देश में हर रोज ऐसे हादसे सुर्खियां बटोरते हैं। ऐसे में प्रश्न खड़ा हो जाता है कि आखिर अवैध होर्डिंग के मकड़जाल से मुक्ति कैसे मिले? सच्चाई यह है कि अगर सरकारी महकमा ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाए, तो इस विकराल रूप लेती समस्या से निपटा जा सकता है। राजनीतिक दल चुनावों में रैलियों व कार्यक्रमों के लिए जगह-जगह होर्डिंग व बैनर लगा देते हैं। उन्हें न किसी नियम की परवाह है और न किसी कानून की। इसके अतिरिक्त होर्डिंग-बैनर बनाने वाली एजेंसियों के सिर पर राजनीतिक दलों का हाथ होने से प्रशासन उनके आगे बेबस नजर आता है। इस परंपरा को खत्म किए जाने की जरूरत है, इसके बिना होर्डिंग्स के मकड़जाल को तोड़ पाना बेहद मुश्किल होगा। आज जरूरत यह है कि यदि कोई भी एजेंसी बिना पंजीकरण के होर्डिंग लगाती है तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को सख्ती के साथ हिदायत दी जानी चाहिए कि सड़कों के किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं करें। अगर कोई ऐसा करता पाया जाए तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। आज शहरों की सूरत बिगाड़ने में होर्डिंग्स बड़ी भूमिका निभा रहे हैं जिसे सुधारने के लिए शहरों में होर्डिंग लगाने के लिए महानगरों की तर्ज पर कमेटी का गठन किया जाना चाहिए। कमेटी की अनुमति के बाद ही होर्डिंग्स लगाये जाने चाहिए।

आजकल शहरों में स्कूल, कोचिंग संस्थान और अन्य प्रतिष्ठान हर सरकारी और निजी भवन को विज्ञापन स्थल का रूप दे रहे हैं। ये बेतरतीब ढंग से अपने संस्थानों का प्रचार-प्रसार करते हैं। ऐसे संस्थान पैसा बचाने के चक्कर में बीच रोड पर और सड़क किनारे अवैध होर्डिंग लगाकर प्रचार-प्रसार करते हैं। ऐसे में इनके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि अब भी समय रहते नहीं चेते तो निकट भविष्य में मुंबई में घटित घटना की पुनरावृत्ति को झेलने के लिए बेशक हमें तैयार रहना होगा।

तपते द्वीप बनते शहरों में जीना हुआ दूभर

पंकज चतुर्वेदी

जब देश-दुनिया गर्मी में तपते थे तो हिमाचल प्रदेश में लोग सुकून की तलाश में आते थे। लेकिन इस साल इस हिमपात वाले राज्य के नौ जिलों में तापमान 42 डिग्री से पार है और सरकार ने वहां लू की चेतावनी दी है। गत 20 मई को ऊना का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हमीरपुर के नेरी का तापमान 44.1 डिग्री था। प्रदेश के मैदानी इलाकों में पिछले चार दिनों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हो रहा है। गौर से देखें तो ये तपते शहर वे हैं जहां तेजी से शहरीकरण हुआ। जब हिमाचल के ये हाल हैं तो फिर पंजाब-हरियाणा में तो तापमान 45 पार होना कोई बड़ी बात नहीं। जिन स्थानों पर अस्वाभाविक रूप से तापमान बढ़ा, वहां कंक्रीट के जंगल रोपने में समाज अव्वल रहा है। बढ़ती आबादी वाले शहरों में तापमान बढ़ना केवल शारीरिक विकार ही नहीं , बल्कि कई और दिक्कतें साथ लेकर आता है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में बीते एक पखवाड़े से चिड़चिड़ेपन, दिमाग घूमने के मरीज आ रहे हैं। यही नहीं, सड़कों पर झगड़े बढ़ रहे हैं। काम करने में दिक्कतों के चलते कमाई कम हो रही और बिजली-पानी का खर्चा बढ़ रहा है।

भारत के बड़े हिस्से में सदियों से गर्मी पड़ती रही है लेकिन अब इसका दायरा बढ़ रहा है व दिन भी दुगने हो रहे हैं। प्रचंड गर्मी ने देश में पिछले 50 साल में 17,000 से ज्यादा लोगों की जान ली है। साल 1971 से 2019 के बीच लू चलने की 706 घटनाएं हुई हैं। लेकिन गत पांच सालों में चरम तापमान और लू की घटनाएं न केवल समय के पहले हो रही हैं, बल्कि लम्बे समय तक इनकी मार रहती है, खासकर शहरीकरण ने इस मौसमी आग में ईंधन का काम किया है, शहर अब जितने दिन में तपते हैं, रात उससे भी अधिक गरम हवा वाली होती है। आबादी से उफनते महानगरों में बढ़ता तापमान अकेले संकट नहीं होता, उसके साथ बढ़ती बिजली-पानी की मांग, दूषित होता पर्यावरण भी नया संकट खड़ा करता है।

अमेरिका की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन के मुताबिक, बढ़ती आबादी और गर्मी के कारण भारत के चार बड़े शहर नई दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई और चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कोलकाता में बढ़ते जोखिम के पीछे 52 फीसदी गर्मी तथा 48 फीसदी आबादी जिम्मेदार है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बाहरी भीड़ को नही रोका गया तो तापमान तेजी से बढ़ेगा जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित होगा। शहरों में बढ़ते तापमान के कई कारण हैं- सबसे बड़ा तो शहरों के विस्तार में हरियाली का नष्ट होना। भले ही दिल्ली जैसे शहर दावा करें कि उनके यहां हरियाली की छतरी का विस्तार हुआ है लेकिन हकीकत में यहां लगने वाले अधिकांश पेड़ पारम्परिक ऊंचे वृक्ष की जगह, जल्दी उगने वाले झाड़ हैं, जो धरती के बढ़ते तापमान की विभीषिका से निबटने में अक्षम हैं। 'शहरी ऊष्मा द्वीप' शहरों की कई विशेषताओं के कारण बनते हैं। बड़े वृक्षों के कारण वाष्पीकरण और वाष्पोत्सर्जन होता है जो कि धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करता है। बोगेनवेलिया जैसे पौधे धरती के शीतलीकरण प्रक्रिया में कोई भूमिका निभाते नहीं हैं। महानगरों की गगनचुम्बी इमारतें सूर्य की तपन से गर्मी को प्रतिबिंबित और अवशोषित करती हैं।

एक-दूसरे के करीब कई ऊंची इमारतें भी हवा के प्रवाह में बाधा बनती हैं, इससे शीतलन अवरुद्ध होता हैं। शहरों की सड़कें उसका तापमान बढ़ने में बड़ी कारक हैं। महानगर में सीमेंट और कंक्रीट के बढ़ते जंगल, डामर की सड़कें और ऊंचे मकान बड़ी मात्रा में सूर्य की किरणों को सोख रहे हैं। इस कारण शहरों में गर्मी बढ़ रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में जितनी वृद्धि होगी, बीमारियां उतना ही गुणा बढ़ेंगी और जनहानि होगी। सड़क डामर की हो या कंक्रीट की, ये गर्मी को अवशोषित करती हैं और फिर तापमान कम होते ही उसे उत्सर्जित कर देती हैं। इसके अलावा, शहरों के ऊपर वायुमंडलीय स्थितियों के कारण अक्सर शहरी हवा जमीन की सतह के पास फंस जाती है, जहां इसे गर्म शहरी सतहों से गर्म किया जाता है। हालांकि शहरों को भट्ठी बनाने में इंसान भी पीछे नहीं। वाहनों के अलावा पंखे, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेटर और एसी जैसे बिजली के उपकरण इंसान को सुख देते हैं लेकिन ये वहां का तापमान बढ़ने में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। फिर कारखाने, निर्माण कार्य और बहुत कुछ है जो शहर को उबाल रहा है।

यदि इन शहरों से 50 किलोमीटर दूर किसी कस्बे या या गांव में जाएं तो गर्मी का तीखापन इतना नहीं लगता। गर्मी अपने साथ बहुत सी बीमारियां लेकर आ रही है। गर्मी के कारण शहर के नालों के पानी का तापमान बढ़ता है और यह जल जब नदी में मिलता है तो उसका तापमान भी बढ़ जाता है, जिससे नदी की वनस्पति और जीवों को खतरा है। शहरों की घनी आबादी संक्रामक रोगों के प्रसार का आसान जरिया होते हैं जिससे यहां बीमारों की संख्या ज्यादा होती है। यदि शहर में गर्मी की मार से बचना है तो अधिक से अधिक पारम्परिक पेड़ों का रोपना जरूरी है, साथ ही शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ यदि निर्मल और अविरल रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे। कार्यालयों के समय में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, बहुमंजिला भवनों का इको फ्रेंडली होना, ऊर्जा संचयन सहित कुछ ऐसे उपाय हैं जो बहुत कम व्यय में शहर को भट्टी बनने से बचा सकते हैं। हां, अंतिम उपाय तो शहरों की तरफ पलायन रोकना ही होगा।

औषधियों का कॉम्बो पैक है चीकू

बाजार में तमाम ऐसे फल मौजूद होते हैं, जो देखने में भले ही छोटे लगें, लेकिन फायदे के मामले में बड़ों को भी मात देते हैं। चीकू ऐसे ही करामाती फलों में से एक है। यह छोटा फल अपनी मिठास के साथ-साथ बहुत ही गुणकारी होता है। चीकू शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार है। दरअसल, चीकू के अंदर विटामिन, मिनिरल और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छे होने के साथ बालो और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद हो सकते हैं। यह बीमारियों में एक कॉम्बो पैक की तरह काम करता है। आइए जानते हैं चीकू के कई और फायदों के बारे में। चीकू में इंस्टेंट एनर्जी देने वाले तमाम गुण पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी साबित होते हैं। इसमें मौजूद पोटेशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। साथ ही, छोटा सा चीकू रक्तचाप, किडनी और कैंसर जैसी तमाम परेशानियों से निजात दिला सकता है।

कैंसर से लड़े

चीकू में विटामिन ए और बी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट फाइबर और अन्य कई पोषक तत्व होते हैं,जो आपको कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए

चीकू इम्यूनिटी बढ़ाने का एक अच्छा विकल्प है। दरअसल, इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करता है। शरीर को बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाने और उनसे लड़ने में मदद कर है।

चीकू की पोषण संबंधी प्रोफ़ाइल

- कैलोरी: 83 किलो कैलोरी
- कार्बोहाइड्रेट: 19.96 ग्राम
- फाइबर: 5.3 ग्राम
- प्रोटीन: 0.44 ग्राम
- वसा: 1.1 ग्राम
- विटामिन सी: 24.5 मिलीग्राम
- विटामिन ए: 60 अंतरराष्ट्रीय इकाइयां
- कैल्शियम: 21 मिलीग्राम
- आयरन: 0.80 मिलीग्राम
- पोटेशियम: 193 मिलीग्राम
- फॉस्फोरस: 12 मिलीग्राम
- मैग्नीशियम : 12 मिलीग्राम

ऊर्जा का अच्छा स्रोत

चीकू में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को एनर्जी देने का काम करते हैं इसके अलावा चीकू में सुक्रोज और फरुक्टोज जैसे प्राकृतिक शुगर होते हैं जो बॉडी को ऊर्जा प्रदान करने में लाभदायक होते हैं। यही वजह है कि चीकू को नेचुरल एनर्जी बूस्टर कहा जाता है। इसीलिए कमजोरी या वर्कआउट के बाद चीकू का सेवन करने से काफी अच्छा महसूस होता है।

कब्ज-एनीमिया से बचाए

पानी में चीकू को उबालकर बनाया गया काढ़ा पीने से दस्त ठीक हो जाते हैं। कब्ज और एनीमिया जैसी बीमारियों से बचाता है। चीकू के बीज को पीसकर खाने से गुर्दे की पथरी आसानी से बाहर निकल सकती है।

बच्चों की ग्रोथ बढ़ाए

चीकू बच्चों के लिए भी काफी लाभकारी साबित हो सकता है। बता दें कि, बच्चों की ग्रोथ के सालों में चीकू एक पूर्ण भोजन का काम करता है, जो उन्हें प्रोटीन फाइबर और विटामिन जैसे जरूरी पोषक तत्वों को प्रदान करता है।

हंसना मना है

पति: क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है। पत्नी: हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

संता उदास बैठा था... बंता: क्या हुआ, उदास क्यों बैठा है...? संता: क्या बताऊं यार, किसी ने कहा कि पेड़ से हमें शीतल छाया मिलती है। मैं यहां पेड़ के नीचे तीन दिन से बैठा हूं, लेकिन न तो शीतल आयी और न छाया...!

पति: आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी: वाह कैसे पहचाना। पति: जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

साली ने चिकन बनाया... जीजा: साली साहिबा मुर्गे की टांग कहां है ! साली: मुर्गा लंगड़ा था, जीजा: और कलेजा कहां हैं, साली: वह तो मुर्गी ले गई ना, जीजा: दिमाग कहां है साली: अरे जीजू मुर्गा शादीशुदा था इसलिए दिमाग नहीं था!

शहर में रहने वाली लड़की की शादी गांव में हुई बहू मॉडर्न लुक में तैयार हो कर घर से बाहर जाने लगी तो सास बोली: क्या जमाना है बहू तुरंत बोली: दही जमा लेना मांजी, मैं शॉपिंग करके आती हूं।

कहानी | मूर्खमंडली

एक पर्वतीय प्रदेश के महाकाय वृक्ष पर सिन्धुक नाम का एक पक्षी रहता था। उसकी विष्ठा में स्वर्ण-कण होते थे। एक दिन एक व्याध उधर से गुजर रहा था। व्याध को उसकी विष्ठा के स्वर्णमयी होने का ज्ञान नहीं था। इससे सम्भव था कि व्याध उसकी उपेक्षा करके आगे निकल जाता। किन्तु मूर्ख सिन्धुक पक्षी ने वृक्ष के ऊपर से व्याध के सामने ही स्वर्ण-कण-पूर्ण विष्ठा कर दी। उसे देख व्याध ने वृक्ष पर जाल फैला दिया और स्वर्ण के लोभ से उसे पकड़ लिया। उसे पकड़कर व्याध अपने घर ले आया। वहाँ उसे पिंजरे में रख लिया। लेकिन, दूसरे ही दिन उसे यह डर सताने लगा कि कहीं कोई आदमी पक्षी की विष्ठा के स्वर्णमय होने की बात राजा को बता देगा तो उसे राजा के सम्मुख दरबार में पेश होना पड़ेगा। संभव है राजा उसे दण्ड भी दे। इस भय से उसने स्वयं राजा के सामने पक्षी को पेश कर दिया। राजा ने पक्षी को पूरी सावधानी के साथ रखने की आज्ञा निकाल दी। किन्तु राजा के मन्त्री ने राजा को सलाह दी कि, इस व्याध की मूर्खतापूर्ण बात पर विश्वास करके उपहास का पात्र न बनो। कभी कोई पक्षी भी स्वर्ण-मयी विष्ठा दे सकता है ? इसे छोड़ दीजिये। राजा ने मन्त्री की सलाह मानकर उसे छोड़ दिया। जाते हुए वह राज्य के प्रवेश-द्वार पर बैठकर फिर स्वर्णमयी विष्ठा कर गया; और जाते-जाते कहता गया- पूर्वं तावदहं मूर्खो द्वितीयः पाशबन्धकः । ततो राजा च मन्त्रि च सर्वं वै मूर्खमण्डलम् ॥ अर्थात, पहले तो मैं ही मूर्ख था, जिसने व्याध के सामने विष्ठा की, फिर व्याध ने मूर्खता दिखलाई जो व्यर्थ ही मुझे राजा के सामने ले गया; उसके बाद राजा और मन्त्री भी मूर्खों के सरताज निकले। इस राज्य में सब मूर्ख-मंडल ही एकत्र हुआ है ।

7 अंतर खोजें

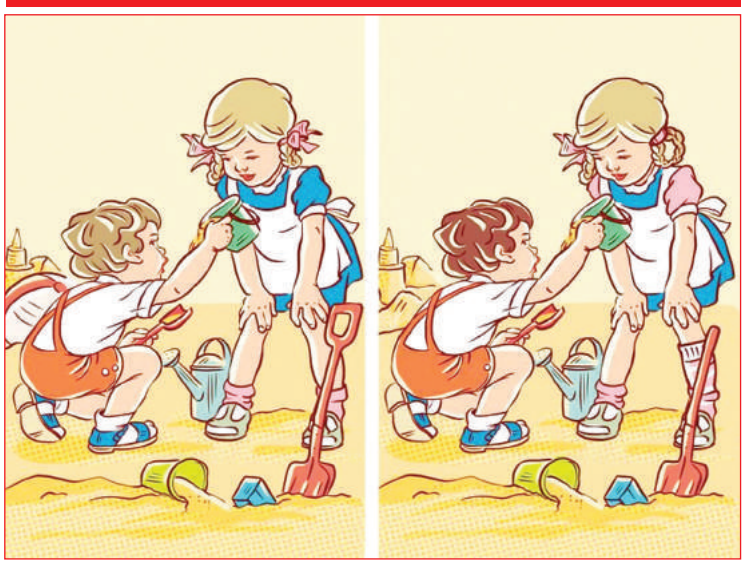

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि भवन के कार्य सधेंगे। साझा मामलों में रुचि रहेगी। नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। निजी मामलों में सुख सौख्य रहेगा। करीबी संबंधों में घनिष्ठता बढ़ेगी।

वृषभ

मेहनत लगन से सभी को प्रभावित करेंगे। विविध परिणाम पक्ष में बनाने पर जोर देंगे। आर्थिक मामलों में सतर्कता रखेंगे। कार्य व्यापार में धैर्य बढ़ाएंगे। लेनदेन में स्पष्ट रहेंगे।

मिथुन

व्रत संकल्प बनाए रखेंगे। नवीन शुरूआत कर सकते हैं। घर परिवार में सकारात्मकता बढ़ेगी। सफलता की नई राहें बनेंगी। करीबियों का सहयोग रहेगा।

कर्क

स्वजनों की बातों को अनदेखा नहीं करें। पारिवारिक विषयों पर फोकस बनाए रहें। अपनों से सामंजस्य बढ़ाएं। निजी विषयों में रुचि बनी रहेगी। भवन वाहन की प्राप्ति होगी

सिंह

सामाजिक कार्यों में पहल पराक्रम बनाए रखेंगे। वाणिज्यिक विषयों में सक्रियता बढ़ाएंगे। बंधुजनों के साथ सुखद समय बिताएंगे। प्रसन्नता और उत्साह बनाए रहेंगे।

कन्या

घर में आनंद का वातावरण बना रहेगा। आकर्षक प्रस्ताव प्राप्त होंगे। श्रेष्ठ जनों का आगमन होगा। उत्सव का वातावरण रहेगा। सभी को प्रभावित करेंगे। वचन निभाने में आगे रहेंगे।

तुला

रचनात्मक कार्यों में गति लाएंगे। प्राथमिक विषयों की सूची बनाकर आगे बढ़ेंगे। चहुंओर सकारात्मकता बनी रहेगी। सभी वर्गके लोगों से संबंध बेहतर रहेंगे। नवीन कार्यों में गति आएगी।

वृश्चिक

दान धर्म व दिखावे में आगे रहेंगे। निवेश कार्यों में रुचि बनी रहेगी। नीतिगत मामलों में सावधानी बरतें। आर्थिक गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। न्यायिक मामलों में धैर्य बढ़ाएंगे।

धनु

कामकाजी स्पष्टता रखेंगे। आर्थिक प्रबंधन बढ़ाएंगे। वाणिज्यिक मामलों में प्रभावशाली रहेंगे। जोखिम कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कार्ययोजनाओं को गति देंगे।

मकर

प्रबंधन से करीबी बनी रहेगी। शासन प्रशासन के प्रयास बेहतर बनेंगे। कामकाजी संबंधों में सुधार होगा। रिश्तों में अनुकूलन रहेगा। परीक्षा प्रतियोगिता में गहरा दखल बनाए रखेंगे।

कुम्भ

नवीन कार्यों में गति आएगी। विविध विषय पक्ष में बनेंगे। धर्म आस्था के प्रयासों में सक्रियता बनाए रहेंगे। साथियों सहकर्मियों का सहयोग पाएंगे। धार्मिक की भावनाएं बढ़ेगी।

मीन

व्यवहारिक संतुलन और विनय विवेक बनाए रखेंगे। परिजनों और बड़ों की सीख सलाह पर अमल बढ़ाएंगे। व्यक्तिगत मामलों पर ध्यान देंगे। व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने खुद के लिए एलएसडी- 2 को ठुकराया : निमृत कौर

टी वी की छोटी सरदारनी निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों खतरों को खिलाड़ी 14 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। निमृत बिग बॉस 16 में नजर आई थी। बिग बॉस के बाद से एक्ट्रेस के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खबरें आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार खुद एकता कपूर ने एक्ट्रेस को LSD-2 ऑफर की थी, लेकिन निमृत ने फिल्म के ऑफर को ठुकरा दिया था। निमृत अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत LSD- 2 से करने वाली थी। मीडिया में दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया था जब वह बिग बॉस 16 शो से बाहर आई थी तो उन्हें कुछ समय खुद के लिए चाहिए था। मुझे समझने में टाइम लगा कि जब मैं फिल्म सेट पर एंट्री करूं तो बेहतर दिखूं एक्ट्रेस ने बोला कि ये फैसला आसान नहीं था क्योंकि वह वो पल था जिसका हर किसी को इंतजार रहता है। एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में आगे बोला कि आउटसाइडर होने की वजह से मुझे पता है कि ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। मैं बहुत ज्यादा काम खो दूं ये बर्दाश्त नहीं कर सकती, निमृत ने इंटरव्यू में बताया है कि उनका एलएसडी-2 मेकर्स के साथ कोई मनमुटाव नहीं है। निमृत कौर अहलूवालिया जल्द ही डेब्यू करेंगी। एक्ट्रेस थ्रिलर ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बोला कि मैं इस पल का 6 साल से इंतजार कर रही थी। मुंबई आते ही फिल्म की हीरोइन बनने का सपना होता है। लंबी प्रक्रिया के बाद में फिल्म के सिलेक्ट हो गई।

'सावि' का ट्रेलर रिलीज
खतरनाक अंदाज में दिखीं दिव्या खोसला

दिव्या खोसला कुमार अपने नए प्रोजेक्ट सावि के साथ दर्शकों के बीच पेश हो रही हैं। इस बार एक्ट्रेस को थ्रिलर अंदाज में देखा जा रहा है। हाल ही में सावि के मेकर्स ने 2 टीजर जारी करते हुए दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाई थी, वहीं अब ये बेसब्री उस समय दोगुनी हो गई जब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया। यहां दिव्या के साथ-साथ दिग्गज एक्टर अनिल कपूर भी होश उड़ाते नजर आ रहे हैं।

सावि के ट्रेलर की शुरुआत में दिव्या खोसला को कैमरे के सामने बैठकर अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड करते हुए देखा जा रहा है। इसमें वह कहती हैं, अगर आप यह वीडियो देख रहे हैं तो आप सब जानते हैं कि मैं एक क्रिमिनल हूं। इसके बाद अगले पल में वो सब दिखाया जाता है कि जो दिव्या ने इस बयान को रिकॉर्ड करने से पहले झेला था। एक वक्त था जब वह अपनी पति हर्षवर्धन राणें और बेटे के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रही थी, लेकिन फिर इनकी खुशियों को किसी की नजर लग जाती है।

ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है दिव्या फैसला करती है कि वो अपने

पति को देश की सबसे बड़ी जेल से भगाएगी। यहां सावि (दिव्या) को मदद मिलती है अनिल कपूर। उनकी एंट्री के बाद से ही ट्रेलर और दिलचस्प हो जाता है। इस बार एक्टर का बहुत अलग और खतरनाक अंदाज देखने को मिल रहा है। वहीं, दिव्या भी अपने एक्शन वाले अवतार से दर्शकों को हैरान कर रही हैं। हालांकि, उसे अपने मकसद में कामयाबी मिलेगी या नहीं, इसका खुलासा तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

अभिनय देव के निर्देशन में बनी फिल्म सावि का निर्माण विशेष मनोरंजन और टी-सीरीज के बैनर मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने द्वारा किया गया है। यह एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसे देखने के लिए 31 मई, 2024 तक का इंतजार करना होगा।

रणवीर सिंह ने फिल्म 'राक्षस' करने के किया किनारा

इन दिनों बॉलीवुड में काफी उथल पुथल देखने को मिल रही है। कई स्टार फिल्म साइन करने के बाद फिल्मों को छोड़ रहे हैं। हर कोई फ्लॉप फिल्म करने से बचने की कोशिश में लगा है। फिलहाल कुछ ऐसा ही अभिनेता रणवीर सिंह ने किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर ने डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की आने वाली राक्षस को छोड़ दिया है।

बॉलीवुड | मसाला

पिछले साल प्रदर्शित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के बाद से अभी तक रणवीर सिंह किसी फिल्म में नहीं दिखे हैं। हालांकि, कभी शक्तिमान फिल्म को लेकर तो कभी डॉन को लेकर वह लाइम लाइट में हैं। हाल ही में यह भी खबरें आई थी कि वह तेलुगु फिल्म हनुमैन के निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ फिल्म राक्षस में काम करने वाले हैं। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने वह फिल्म छोड़ दी है।

बीच में छोड़ा प्रोमो का शूट

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि रणवीर सिंह इस फिल्म के लिए हैदराबाद पहुंचे थे और फिल्म के ऐलान के लिए वहां प्रोमो की शूटिंग भी शुरू कर दी थी। हालांकि, बीच में ही उन्हें अहसास हुआ कि वह अभी साउथ सिनेमा करने के लिए सहज नहीं हैं। इसके बाद एक्टर ने प्रोमो शूट को बीच में छोड़ मुंबई लौट आए और उन्होंने वह फिल्म करने से भी मना कर दिया है।

डायरेक्टर ने साधी चुप्पी

वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रणवीर और प्रशांत की यह फिल्म पूरी तरह से बंद नहीं हुई है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर दोनों ने अभी कुछ ऐलान नहीं किया है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रणवीर और प्रशांत की इस फिल्म का अंजाम क्या होने वाला है।

अजब-गजब | यहां अंधविश्वास में घटी थी रूह कंपा देने वाली घटना

जब 900 से ज्यादा लोगों ने की थी आत्महत्या

अंधविश्वास एक ऐसी चीज है जिसमें इंसान हर वो काम करने के लिए तैयार हो जाता है जिसके लिए उससे कहा जाता है, फिर चाहे वह उसे मौत के आगोश में ही क्यों न सुला दे। आज हम आपको अंधविश्वास की एक ऐसी ही कहानी बताने जा रहे हैं जिसे जानकर यकीनन आपकी रूह कांप जाएगी। क्योंकि इस कहानी में एक साथ 900 लोगों ने मौत को गले लगा लिया था। दरअसल, कई साल पहले अमेरिका के गुयाना में 900 से ज्यादा लोगों ने एक साथ खुदकुशी कर ली थी। इस घटना को दुनिया की सबसे बड़ी आत्महत्या माना जाता है। यह घटना जोंसटाउन की है। जहां 900 से ज्यादा लोगों ने एक साथ जहर पी लिया था यही नहीं जिन लोगों ने जहर नहीं पिया था उन लोगों को जबरन जहर पिलाया गया था।

घटना 18 नवंबर, 1978 की है। इस घटना के पीछे जिम जोंस नाम के एक धर्मगुरु का हाथ था। जिम जोंस खुद को भगवान का अवतार बताता था। खुद को लोगों के बीच प्रसिद्ध करने के लिए उसने जरूरतमंदों की मदद के नाम पर साल 1956 में पीपल्स टेंपल यानि लोगों का एक चर्च बनाया था। अपनी धार्मिक और अंधविश्वास के दम पर उसने हजारों लोगों को अपना अनुयायी बनाया था। जिम जोंस के विचार अमेरिकी सरकार से अलग थे। वह अपने अनुयायियों के साथ शहर से दूर गुयाना के जंगलों में चला गया था।

जिम जोंस अपने अनुयायियों का करता था शोषण : उसने यहां पर एक छोटा सा गांव बसाया था, लेकिन

कुछ दिनों के बाद ही उसकी असलियत लोगों के बीच आने लगी थी। जिम जोंस अपने अनुयायियों से दिनभर काम करवाता था। जब वह अनुयायी रात में थक-हारकर सो जाते थे तो वह उन्हें सोने भी नहीं देता था। इस दौरान वह अपना भाषण शुरू कर देता था। उसके सिपाही घर-घर जाकर देखते थे कि कहीं कोई सो तो नहीं रहा है। दि कोई सोता मिलता था तो उसे कड़ी सजा दी जाती थी। जिम जोंस लोगों को गांव से बाहर भी नहीं जाने देता था।

उसके सिपाही गांव के चारों ओर पहरा देते रहते थे, जिससे कि कोई वहां से भाग ना स के। अमेरिकी सरकार को उन्हीं दिनों वहां की गतिविधियों के बारे में पता चला था। इसके बाद सरकार ने कार्रवाई के बारे में सोचा था। इसका पता जिम जोंस को चल गया था। इसके बाद उसने अपने सभी अनुयायियों को एक जगह इकट्ठा होने को कहा था।

पवित्र जल का लालच देकर पिलाया था जहर: इस दौरान जोंस ने लोगों से कहा था, अमेरिकी सरकार हम सबको मारने आ रही है। इससे पहले कि वो हमें गोलियों से छलनी करें, हम सबको पवित्र जल पीना चाहिए। ऐसा करने से हम गोलियों के दर्द से बच जाएंगे। जोंस ने एक बड़े टब में पहले ही खतरनाक जहर मिलाकर एक सॉफ्ट ड्रिंक बनवा दिया था। इसके बाद उसने अपने लोगों को इसे पीने के लिए दे दिया था। जिसने भी जहरीला ड्रिंक पीने से मना किया था, उन्हें जबरन यह जहर पिलाया गया था। तब इस जहर को पीने से 900 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 300 से ज्यादा बच्चों ने भी इसमें जान गंवाई थी। उसके बाद जिम जोंस ने भी खुद को गोली मारकर खत्म कर लिया था।

इसे कहते हैं यमराज का कुआं करता है मौत की भविष्यवाणी!

इस दुनिया में तमाम ऐसी रहस्यमई चीजें हैं जो विज्ञान के नियमों को पीछे छोड़ देती हैं। कई ऐसी मान्यताएं हैं, जिन पर साइंस सटीक नहीं बैठती, लेकिन फिर भी लोगों को इन आस्थाओं में पूरा विश्वास है। यूपी के बनारस में भी मणिकर्णिका घाट और काशी विश्वनाथ बाबा के मंदिर के अलावा हिंदू धर्म के कई रहस्य छिपे हैं। इसी शहर में धर्मराज यमराज से जुड़ी जानकारियां और निशानियां मिलती हैं। यहां पर एक मंदिर है, जिसमें एक रहस्मय कुआं है। यह कुआं भक्तों को उनकी मौत के बारे में संकेत देता है। यह मंदिर मीरघाट के ऊपर बना है। इस मंदिर का नाम धर्मेश्वर महादेव मंदिर है और यहां एक धर्मकूप भी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंदिर के पुजारी का कहना है कि इस कूप का इतिहास गंगा के धरती पर आने से पहले का है। इसे सूर्यपुत्र यम ने बनवाया था। साथ ही ऐसी मान्यता है कि गंगा अवतरण के पूर्व यहां धर्मराज यम ने तपस्या की थी।

इस रहस्मय कुएं को लेकर मान्यता है कि यह कुआं मौत का संकेत देता है। कहा जाता है कि अगर इस कुएं में व्यक्ति की परछाई नहीं दिखाई देती तो अगले 6 महीने में उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। साथ ही इस प्राचीन मंदिर को लेकर मान्यताएं हैं कि यहां पर भगवान शिव व यमराज देव एक साथ विराजते हैं। यहां के लोगों में मान्यता है कि धर्मेश्वर महादेव प्राचीन मंदिर में बने धर्म कुएं का निर्माण स्वयं यमराज द्वारा किया गया था। ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों की परछाई कुएं में दिखाई नहीं देती है, अगले 6 महीने में उस व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। हालांकि, इसके कोई प्रमाण नहीं मिले हैं लेकिन आसपास के लोगों की ऐसी मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव पृथ्वी पर मृत्यु को प्राप्त होने वाले व्यक्तियों को स्वर्ग या नरक में ले जाने को लेकर व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए यमराज तपस्या कर रहे थे, परंतु यमराज को भगवान शिव को प्रसन्न करने में कामयाबी नहीं मिल रही थी। इस पर भगवान विष्णु ने यमराज को कुंड बनाने व उसमें स्नान करने के बाद भगवान की तपस्या करने की सलाह दी। इसके बाद यमराज ने ऐसा ही किया और भगवान शिव, यमराज से प्रसन्न हुए, जिसके बाद भगवान ने यमराज को स्वर्ग और नर्क जाने वाले लोगों की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही कहा जाता है कि भगवान शिव ने यमराज का नामकरण भी किया था, तभी से यह प्रथा चली आ रही है कि कुएं में परछाई न देखने पर व्यक्ति की 6 महीने के अंदर मृत्यु हो जाती है।

अडानी समूह का कोयला आपूर्ति में गड़बड़ी के आरोपों से इनकार, शेयरों में आया बड़ा उछाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अडानी समूह ने तमिलनाडु बिजली कंपनी को कोयले की आपूर्ति में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार कर दिया है। दरअसल लंदन के एक अखबार में छपी खबर के बाद कंपनी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उधर अडानी समूह के खंडन के बाद उसके शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। बाजार पूंजीकरण लंदन स्थित अखबार फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में समूह पर गड़बड़ी की आशंका जताये जाने के दिन बढ़ा है।

अखबार की रिपोर्ट में द जॉर्ज सोरोस समर्थित आर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) के दस्तावेजों का हवाला देते हुए 2013 में निम्नस्तर के कोयले को उच्च मूल्य के ईंधन के रूप में बेचकर अडाणी समूह पर धोखाधड़ी की आशंका जतायी गयी है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने कहा कि भुगतान आपूर्ति किए गए कोयले की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। यह परीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। बयान के अनुसार रिपोर्ट में दिसंबर 2013 में जिस जहाज के जरिये कोयला ले जाने का हवाला दिया गया,वास्तव में वह जहाज फरवरी 2014 से पहले इंडोनेशिया से कोयला लाने के लिए इस्तेमाल ही नहीं किया गया था।

कोयले की गुणवत्ता की जांच हर स्तर पर हुई

अडाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया। लेकिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने अखबार में छपी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कथित गलत काम की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की मांग की। समूह के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोयले की गुणवत्ता का परीक्षण स्वतंत्र रूप से लदान और उतारे जाने वाले स्थानों पर किया गया था। साथ ही सीमा शुल्क अधिकारियों और तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी टैंजेडको के अधिकारियों ने भी इसकी जांच की थी। उन्होंने कहा कि आपूर्ति किए गए कोयले की एजेंसियों ने विभिन्न जगहों पर विस्तृत गुणवत्ता जांच की। इससे स्पष्ट है कि कम गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति का आरोप न केवल निराधार और अनुचित है बल्कि पूरी तरह से बेतुका है।

डीआरआई की जांच रिपोर्ट में हेर-फेर किया गया

समूह ने कहा कि यह कुछ और नहीं बल्कि राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की जांच रिपोर्ट की बातों में हेर-फेर कर फिर से उसे सामने लाया गया है। सौदे में बिचौलियों के शामिल होने के आरोप पर समूह ने कहा कि अडानी ग्लोबल पीटीई लि आवश्यक साख और अनुभव वाले लोगों कंपनियों व्यापारियों से कोयला प्राप्त करती है। इसका कारण यह है कि अनुबंध आधारित दायित्वों को पूरा नहीं करने से अडानी के वित्त और प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है। स्पष्ट है कि इस रिपोर्ट का अडाणी समूह के शेयरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। डीआर चोकसी फिनसर्व के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसी ने कहा कि बाजार अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट हो गया है। वे अपना निर्णय देने से पहले स्थिति का आकलन करते है। मेरे दृष्टिकोण में अडानी समूह की कंपनियों की बुनियाद 2014 की तुलना में कहीं अधिक मजबूत है।

कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

उसकी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बुधवार को 11, 300 करोड़ रुपये बढ़कर 200 अरब डॉलर 16.9 लाख करोड़ रुपये पर फिर से पहुंच गया। कंपनी के तमिलनाडु बिजली कंपनी को कोयले की आपूर्ति में किसी भी गलत काम से इनकार के बाद निवेशकों ने समूह पर भरोसा जताया है। कुल मिलाकर पिछले दो दिन में समूह का बाजार पूंजीकरण 56,250 करोड़ रुपये बढ़ गया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के बाद बंगाल में सियासी बवाल

- **भाजपा और टीएमसी में वार-पलटवार**
- **अदालत का आदेश नहीं मानेंगे : ममता**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिए गए ओबीसी दर्जे को कलकत्ता हाईकोर्ट ने अवैध करार दिया। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी से लोकसभा चुनाव के बीच राजनीतिक बहस छिड़ गई। मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अदालत के आदेश पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी और इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगी।

अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए बुधवार को न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की बेंच ने कहा, वंचित वर्गों के नागरिकों की सेवाएं, जो पहले से ही सेवा में हैं या आरक्षण का लाभ ले चुके हैं। आदेश से राज्य की चयन प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी।

विपक्षी गठबंधन की चाल का पर्दाफाश : मोदी

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को विपक्ष के लिए एक करारा तमाचा बताया। दावा किया कि इससे ओबीसी उप-कोटा के तहत मुसलमानों को आरक्षण देने की विपक्षी गठबंधन इंडिया की चाल का पर्दाफाश हो गया है। आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया का तुष्टीकरण का जुनून हर सीमा को पार कर गया है।

आम आदमी पार्टी झूठ बोल रही : सैनी

- **हरियाणा के सीएम ने कहा- समझौते के तहत दिल्ली को पानी दिया जा रहा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली की मंत्री आतिशी के पानी की आपूर्ति रोकने के आरोपों के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ''झूठ'' बोल रही है और समझौते के तहत दिल्ली को पानी दिया जा रहा है। आतिशी ने आरोप लगाया कि 25 मई को मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''नयी साजिश'' के तहत पड़ोसी राज्य ने राष्ट्रीय राजधानी में पानी की आपूर्ति रोक दी है।

सैनी ने करनाल में कहा, ''समझौते के मुताबिक पानी की आपूर्ति (दिल्ली को) जारी है और इसे कोई नहीं रोक सकता। आतिशी के आरोपों का जवाब देते हुए सैनी ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी

''लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है क्योंकि उसके पास कोई मुद्दा नहीं है। वह केवल झूठ बोल रही है और वह भ्रष्टाचार में लिप्त है। सैनी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से किए वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट के साथ-साथ करनाल विधानसभा उपचुनाव भी जीतेगी जहां से वह खुद लड़ रहे हैं। सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने केवल घोषणाएं कीं लेकिन उसके मुकाबले काम बहुत कम किया। उन्होंने कहा कि इसीलिए लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस टूट रही है और कोई नहीं जानता कि यह कब ढह जाएगी।

दिल्ली में प्रति माह 18 हजार रुपये की बचत कर रहे हैं लोग : चड्ढा

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने दावा किया कि दिल्ली में उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद से लोग बिजली, पानी, दवाओं और स्कूल फीस पर प्रति माह 18,000 रुपये की बचत कर रहे हैं तथा जल्द ही केजरीवाल सरकार से महिलाओं को एक-एक हजार रुपये मिलेंगे। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से आप के उम्मीदवार कुलदीप कुमार के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी साधारण पृष्ठभूमि से अपनी शुरुआत करने वाले लोगों को विधायक, सांसद और मंत्री पद तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आप ने हमेशा सामान्य परिवार के लोगों को विधायक, सांसद और मंत्री बनाया है। कुलदीप कुमार और मैं इसके उदाहरण हैं। चड्ढा ने ऐसे शिक्षित और ईमानदार प्रतिनिधियों को चुनने के महत्व पर प्रकाश डाला जो लोगों की सेवा के लिए समर्पित हों।

आरआर ने तोड़ दिया आरसीबी का सपना

- **एलिमिनेटर मुकाबले में हारकर बेंगलोर बाहर**
- **दूसरे क्वालीफायर में एसआरएच से भिड़ेगा राजस्थान**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल 2024 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को चार विकेट से हरा दिया। वहीं रॉयल्स अब 24 मई को होने वाले दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाने के लिए सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी।

टॉस जीतकर राजस्थान रॉयल्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रयास से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आठ विकेट पर 172 रन पर ही रोक दिया। इसके बाद फिर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (45 रन) और रियान पराग (36 रन) की पारियों के बाद शिमरोन हेटमायर (26 रन) और रोवमैन पावेल (नाबाद 16 रन) के महत्वपूर्ण योगदान से आईपीएल के 2008 के शुरूआती चरण का खिताब जीतने वाली टीम ने 19 ओवर में छह विकेट पर 174 रन बनाकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनायी। यशस्वी (30 गेंद, आठ चौके) और टॉम कोहलर कैडमोर (20) ने पहले विकेट के लिए 46 रन बनाये। लॉकी फर्ग्यूसन ने कैडमोर को बोल्ड कर यह साझेदारी तोड़ी। जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (17 रन) अच्छी लय में दिख रहे थे। पर कैमरन ग्रीन ने 10वें ओवर में जायसवाल की पारी खत्म की। अगले ही ओवर में सैमसन भी कर्ण शर्मा का शिकार होकर पवेलियन लौट गये। जुरेल आठ रन बनाकर रन आउट हुए।

शुरू से राजस्थान ने कसे रखी नकेल

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों ने ट्रेंट बोल्ट (16 रन देकर एक विकेट) की अगुआई में नियमित अंतराल पर विकेट झटककर आरसीबी बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी नहीं बनाने दी। बोल्ट ने तीन ओवर में छह रन देकर एक विकेट झटक लिये थे। पिछले मैचों में काफी समय से विकट नहीं लेने वाले अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने 19 रन देकर दो विकेट प्राप्त किये। उन्होंने लगातार गेंदों पर कैमरून ग्रीन (27) और ग्लेन मैक्सवेल (0) के विकेट लेकर अच्छी गेंदबाजी की जिसके बाद आवेश खान ने 44 रन देकर तीन विकेट झटके। राजस्थान रॉयल्स के लिए गेंदबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षकों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें विशेष रूप से रोवमैन पावेल शामिल थे। पावेल ने दो शानदार कैच लपके जिससे आरसीबी की रन गति पर लगाम कसी।

मोदी सरकार के घोटालों की जांच के लिए बनाएंगे जेपीसी : राहुल

» बोले- गठबंधन की सरकार आएगी तो सबको मिलेगी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो चरण के चुनाव अभी बाकी है। कांग्रेस व बीजेपी में वार-पलटवार जारी है। कांग्रेस नेता पीएम मोदी व बीजेपी पर हमलावर है। उन्होंने कहा मोदी सरकार में बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं पर कोई उठाने वाला नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने के एक महीने के भीतर मोदी सरकार से जुड़े घोटालों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराई जाएगी। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तहत बड़ा कोयला घोटाला सामने आया है और इस घोटाले के माध्यम से पीएम के प्रिय मित्र ने कम गुणवत्ता वाले कोयले को तीन गुने दाम पर बेचकर हजारों करोड़ रुपये लूटे हैं, जिसकी कीमत आम जनता ने बिजली का महंगा बिल भरकर चुकाई है।

90 प्रतिशत वाली दलित-ओबीसी आबादी को इज्जत नहीं, पावर चाहिए

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि पीएम कहते हैं कि उन्होंने दलित, ओबीसी और आदिवासी को इज्जत दी है, लेकिन हम ये कहते हैं कि इन्हें इज्जत नहीं, बल्कि पावर चाहिए। जिस दिन इनको सत्ता में भागीदारी मिली, उसी दिन से इनको इज्जत मिलनी शुरू हो जाएगी। ये कब तक चलेगा कि अमीर आदमी को गरीब इज्जत देगा। ऐसा भारत तो पहले राजा महाराजाओं के समय होता था। ये सिस्टम बंद होना चाहिए। 90 प्रतिशत इस आबादी को उनका हक दिलाने के लिए राजनीतिक लक्ष्य नहीं, बल्कि जीवन का मिशन बन गया है और अब वे इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। इंडिया गठबंधन की सरकार आने पर इस आबादी को सत्ता में भागीदारी दी जाएगी।

संविधान से छेड़छाड़ तो देश की जनता करेगी इंसाफ

राहुल ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि संविधान को अगर गहराई से देखें तो यह ट्रांसफर ऑफ पावर दस्तावेज है। जिन नियमों का सैकड़ों साल पुराने गुरुनानक देव जी, गौतम बुद्ध, भीम राव आंबेडकर ने पालन किया है, उनके बेसिक और हर वर्ग को ध्यान में रखकर संविधान तैयार किया गया है। इसमें छेड़छाड़ करने वालों के साथ देश की 90 फीसदी जनता इंसाफ करेगी।

मोदी का अहंकार तोड़ने का समय आ गया है : खेड़ा

भगवान जगन्नाथ से संबंधित भाजपा नेता संबित पात्रा की विवादास्पद टिप्पणी का जिक्र करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद को भगवान से ऊपर समझ रहे हैं और लोगों को उनके अहंकार को तोड़ना चाहिए। खेड़ा ने यहां कहा कि भाजपा में अहंकार इतना अधिक है कि एक नेता सोच रहा है कि प्रधानमंत्री भगवान से ऊपर हैं और 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने न तो माफी मांगी और न ही पात्रा को पार्टी से निकाला। खेड़ा ने कहा कि अगर पात्रा कांग्रेस में होते तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया होता क्योंकि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। खेड़ा ने कहा, अगर आप झूठ बोलते हैं, तो लोग बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन अगर आप कहते हैं कि भगवान आपके भक्त हैं तो कोई इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का अहंकार तोड़ने का समय आ गया है और इसकी शुरुआत ओडिशा से होगी।

निष्ठा और कड़ी मेहनत को निशाना बनाया जा रहा : जयंत सिन्हा

» बीजेपी की नोटिस से गुस्से में सांसद बोले- मुझे फोन भी तो कर सकते थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हजारीबाग। आपने लोकसभा चुनाव में वोट क्यों नहीं किया? आप चुनाव प्रचार का हिस्सा क्यों नहीं बने? ये सवाल पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड की हज़ारीबाग सीट से मौजूदा सांसद जयंत सिन्हा से बीजेपी ने कारण बताओ नोटिस भेजकर पूछा तो वह नाराज हो गए। उन्हें ऐसा लग रहा है कि पार्टी के लिए उनकी निष्ठा और कड़ी मेहनत के बाद भी उनको गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। बीजेपी सांसद ने कहा कि किसी भी संदेह को दूर करने के लिए कभी भी पर्सनली या फिर फोन पर उनसे बात की जा सकती थी।

हजारीबाग लोकसभा चुनाव के लिए जिम्मेदार पार्टी पदाधिकारी के नाते आदित्य साहू उनसे कभी भी संपर्क कर सकते थे। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद उनको चिट्ठी भेजा जाना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का कारण बताओ नोटिस पाकर वह हैरान हैं। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी के झारखंड महासचिव आदित्य साहू की चिट्ठी का बखूबी जवाब दिया है। अपने जवाब में, जयंत सिन्हा ने कहा कि उन्होंने पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डाला, क्यों कि पर्सनल कमिटमेंट्स की वजह से वह विदेश में थे। आदित्य साहू की दो पन्नों की चिट्ठी का जवाब देते हुए सासंद जयंत सिन्हा ने कहा, आपका पत्र पाकर मुझे बहुत हैरानी हुई। पता चला कि आपने इसे मीडिया में भी जारी किया है।

फोटो :4 पीएम

अव्यवस्था गोमती नगर के विराम खंड में सड़क धंसने से यातायात प्रभावित। हुसड़िया चौराहे से पत्रकारपुरम जाने वाली रोड के अंदर पावर केबल डालने का चल रहा था काम तभी सड़क धंस गयी, जिससे रास्ता बंद कर दिया गया।

बेंगलुरु के होटलों को बम से उड़ाने की धमकी

» ईमेल मिलने के बाद पुलिस जांच में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के तीन होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली और अहमदाबाद के स्कूलों की तर्ज पर इन होटलों को धमकी भरा मेल ईमेल भेजा गया। मेल सामने आने के बाद बेंगलुरु पुलिस जांच में जुट गई है। बेंगलुरु पुलिस के डीसीपी साउथ ईस्ट ने होटलों को धमकी भरा ईमेल मिलने की पुष्टि की है।

बेंगलुरु के जिन होटलों को धमकी मिली है। उनमें द ओटेर्रा भी शामिल है।

यह होटल बेंगलुरु के दक्षिणपूर्वी हिस्से में स्थित है।बेंगलुरु पुलिस के अधिकारियों के अनुसार द ओटेरा सहित तीन प्रमुख होटलों को बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। ई-मेल होटलों को आए हैं। सूचना मिलते हुए तुंरत इन होटलों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ जांच शुरू कर दी गई है। बम स्क्वाड और शहर पुलिस की टीमें तीनों होटलों की जांच कर रही हैं। अहमदाबाद के 36 स्कूलों को वोटिंग से ठीक एक दिन पहले इसी प्रकार से धमकी भरे ईमेल मिले थे। इसके बाद पुलिस ने तमाम स्कूलों की जांच की थी। एटीएस की जांच में पाकिस्तान का लिंक सामने आया था। यह भी सामने आया था कि मेल को पाकिस्तान के पेशावर में कैंट एरिया से भेजा गया। अहमदाबाद से पहले दिल्ली के स्कूलों को धमकी भरे ई मेल आए थे। तब पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।

उत्तर भारत को सता रहा चढ़ा पारा, यूपी में चलेगी लू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोगों को चिलचिलाती धूप और गर्मी से फिलहाल अभी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे। मौसम विभाग ने उत्तर भारत में अगले पांच दिन तक भीषण गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। लोगों से बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। बुधवार को झांसी में सर्वाधिक 45 डिग्री तो वहीं ओरई में 44.6 डिग्री और बुलंदशहर में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तरप्रदेश में आज और कल हीट वेव चलने की चेतावनी जारी की है। अगले दो दिनों तक प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में दिन में लू चलने के आसार हैं, वहीं रात में भी उष्ण रात्रि की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में फिलहाल शुक्र वार तक तापमान के स्थिर रहने का पूर्वानुमान है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कूमार सिंह के अनुसार

अगले दो दिनों तक पूर्वी यूपी के ज्यादातर जिलों में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में कोई विशेष परिवर्तन देखने को नहीं मिलेगा।

राजधानी में दिन के तापमान में विशेष बदलाव नहीं है, पर पुरवा हवा राहत का अहसास करा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन तक अभी ऐसा ही मौसम रहने के आसार हैं। फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं। इससे गर्मी से खास राहत नहीं मिलेगी, लेकिन अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के संकेत भी नहीं हैं।

दक्षिण में भारी बारिश का रेड अलर्ट

देश में मौसम का मिजाज अलग-अलग रंग दिखा रहा है। जहां पूरे उत्तर पश्चिम भारत में आसमान से बरसती आग झुलसा रही है, वहीं दक्षिण भारत में मूसलाधार बारिश लोगों के लिए आफत बनी है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। केरल के रेड अलर्ट वाले जिलों में 20 सेमी तक वर्षा दर्ज की गई है। तमिलनाडु के कोयंबटूर के अलावा, कन्याकुमारी और शिवगंगा जिले में भी 12 से 14 सेमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के ज्यादातर क्षेत्रों में दिन के समय अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस या ऊपर रहने का अनुमान जताया है। वहीं जम्मू संभाग में सातवें दिन पारा 40.0 डिग्री रहा।

बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री पहुंचा

राजस्थान के बाड़मेर में बुधवार को पारा 48 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो देश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान था। इसके अलावा, प्रदेश के तीन और शहरों फलोदी में 47.8, चुरु में 47.4 और जैसलमेर में 47.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। पहाड़ी राज्यों के मैदानी इलाके भी तप रहे हैं। जम्मू संभाग में बुधवार को सातवें दिन भी पारा 40 डिग्री के पार रहा। एक हफ्ते से लगातार भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित है। हिमाचल में बारिश और बर्फबारी कम होने और बढ़ते तापमान के चलते ज्यादातर जल स्रोत सूख रहे हैं और 478 पेयजल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।